कोड़ा फायरिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

- शालिग्राम गर्ग और अंकित मिश्रा पुलिस गिरफ्त में
- वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद, फरार आरोपियों की

छतरपुर, 16 जुलाई. राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़ा में जमीन विवाद के दौरान हुई मारपीट और सरेराह फायरिंग की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों में शामिल शालिग्राम गर्ग और अंकित मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है.

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले ने बताया कि घटना के संबंध में राजनगर थाने में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था. प्रारंभिक जांच और गवाहों के बयान के आधार पर तीन नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम किया गया है.पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया. पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया अवैध हथियार भी बरामद कर लिया गया है. पुलिस का कहना है कि बरामद हथियार को जांच के लिए भेजा जाएगा और मामले में अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं. एडिशनल एसपी ने बताया कि मामले में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं. पुलिस को उम्मीद है कि शेष आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

> पुलिस ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच जारी है और सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है. गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जबकि फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है. पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

नौगांव सीएमओ पर एफआईआर की मांग

छतरपुर ,16 जुलाई. मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम कर्मचारी महासंघ ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर नौगांव नगर पालिका के सीएमओ आर.एस. अवस्थी पर दिव्यांग कर्मचारी से अभद्रता का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सटई के बाद नौगांव नगर पालिका में भी कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएंगे। फिलहाल प्रशासन की ओर से मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

जमीन विवाद में दंपति पर हमला, दोनों घायल

- लाठी-डंडे, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड से मारपीट का आरोप

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 16 जुलाई. राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम परा में जमीन विवाद को लेकर एक दंपत्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. घायल कंदु पाल (45) ने आरोप लगाया कि वह अपनी पत्नी रोशनी पाल के साथ खेत पर मौजूद थे, तभी पुराने जमीन विवाद को लेकर कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया.

मारपीट की इस घटना में दोनों पति-पत्नी घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. पीड़ित के अनुसार, कल्लू पाल, रमेश पाल, गीता पाल, अंजू पाल, रन्नू पाल सहित अन्य लोगों ने लाठी-डंडों, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड से हमला किया. इस हमले में कंदु पाल और उनकी पत्नी रोशनी पाल को गंभीर चोटें आईं.

पुलिस कर रही मामले की जांच

परिजनों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया. पीड़ित ने राजनगर थाने में शिकायत दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के अनुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

अधूरे सड़क चौड़ीकरण से बढ़ी लोगों की परेशानी

छतरपुर, 16 जुलाई. शहर के देरी रोड पर नगर पालिका द्वारा शुरू किया गया सड़क चौड़ीकरण का कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से स्थानीय रहवासी और व्यापारी परेशान हैं। सड़क के एक हिस्से का चौड़ीकरण होने के बाद दूसरे हिस्से को करीब सात फीट तक खोदकर छोड़ दिया गया, जिससे रोजाना यातायात बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है. स्थानीय निवासी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले सड़क खोदी गई थी, लेकिन उसके बाद निर्माण कार्य बंद हो गया. उन्होंने कहा कि इस मार्ग से स्कूल बसों सहित बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, जिससे हर दिन जाम की स्थिति बनती है. नगर पालिका को आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. वहीं महेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि खुदी हुई सड़क के कारण कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं और आम लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कत हो रही है. स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य जल्द पूरा कराया जाए या फिलहाल सड़क को पहले जैसी स्थिति में बहाल किया जाए। उनका आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद नगर पालिका और संबंधित ठेकेदार ने काम शुरू नहीं किया। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

संत रविदास मंदिर की दान भूमि पर कब्जे का आरोप

छतरपुर, 16 जुलाई. बमीठा थाना क्षेत्र के सतना गांव में संत रविदास मंदिर निर्माण के लिए दान की गई भूमि पर कथित कब्जे को लेकर विवाद सामने आया है। अहिरवार समाज के लोगों ने थाना बमीठा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। समाज का कहना है कि हरिकिशन अहिरवार ने मंदिर निर्माण के लिए 5,600 वर्गफुट भूमि दान दी थी।शिकायत के अनुसार, इस भूमि को लेकर पहले लछुआ कोरी ने बिजावर तहसील से स्थगन आदेश प्राप्त किया था, जिसे बाद में तहसीलदार के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के बाद निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद आरोप है कि गब्बर सिंह और लछुआ कोरी ने मंदिर स्थल पर लगे झंडे, लकड़ी के खंभे और तार फेंसिंग उखाड़कर फेंक दी।घटना के बाद गांव के अहिरवार समाज के लोगों ने पुलिस से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के तथ्यों की जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

केन-बेतवा परियोजना के विरोध में अनशन

- विस्थापित मांगों पर अड़े, 500 लोगों के भूखे रहने का
- दावा, प्रशासन से समाधान की मांग तेज

छतरपुर, 16 जुलाई. केन-बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में कुपी के पास विस्थापित परिवारों का धरना और अनशन गुरुवार को जारी रहा. आंदोलनकारी पुनर्वास, मुआवजा और अन्य मांगों को लेकर अपने रुख पर कायम हैं. आंदोलन में शामिल लोगों का दावा है कि करीब 500 लोग लगातार भूखे रहकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और कई लोगों की तबीयत भी बिगड़ रही है.

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर स्पष्ट और संतोषजनक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा. उनका आरोप है कि लंबे समय से अपनी समस्याएं प्रशासन और शासन के समक्ष रखने के बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं मिला है, जिससे प्रभावित परिवारों में असंतोष बना हुआ है. आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी मौजूद हैं. आंदोलनकारियों का कहना है कि वे सम्मानजनक पुनर्वास और अपनी मांगों के समाधान के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं. स्वास्थ्य खराब होने का दावा करने वाले लोगों के लिए चिकित्सा सहायता की भी मांग की गई है. वहीं, जिला प्रशासन का कहना है कि आंदोलनरत लोगों के लिए स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं. प्रशासन ने प्रभावित परिवारों से शासन द्वारा स्वीकृत पुनर्वास पैकेज का लाभ लेने के लिए संबंधित जिला प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है. साथ ही अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले में लगातार संवाद बनाए रखा जा रहा है.

छत्रसाल महाराजा महाविद्यालय में चला नशामुक्ति अभियान

महाराजपुर , 17 जुलाई. छत्रसाल महाराजा महाविद्यालय में गुरुवार दोपहर नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। छात्राओं से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने घर-परिवार के सदस्यों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। महाविद्यालय प्रशासन ने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान का उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ समाज के निर्माण में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना है।

घर में घुसकर युवक से मारपीट का आरोप

- एफआईआर न होने पर प्रशासन से कार्रवाई की मांग

छतरपुर, 16 जुलाई. शहर के सटई रोड स्थित वार्ड क्रमांक 21 निवासी भरत जोशी ने घर में घुसकर मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि बीती रात करीब 8 बजे चार लोग उनके घर में घुस आए और उस समय सो रहे युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया.

पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय केवल एनसीआर दर्ज की और जांच का आश्वासन दिया. उनका कहना है कि गंभीर मारपीट की घटना के बावजूद अब तक आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है. भरत जोशी ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है. वहीं पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

बिना मुंडेर का कुआं, हो सकता हादसा

नवभारत न्यूज

चंदला , 16 जुलाई. चंदला-बछौंन मुख्य मार्ग पर ग्राम पड़सेडी तिगैला के समीप सड़क किनारे वर्षों से बना बिना मुंडेर का खुला कुआं प्रशासनिक लापरवाही की कहानी बयां कर रहा है। यह कुआं प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूली बच्चों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो यहां कभी भी बड़ा और दर्दनाक हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां दिनभर दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। सड़क के बिल्कुल किनारे स्थित इस खुले कुएं के चारों ओर न तो मजबूत मुंडेर बनाई गई है और न ही कोई सुरक्षा जाली, बैरिकेड या चेतावनी बोर्ड लगाया गया है.

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

- बेनीगंज बांध के पास हादसा, भैंस भी घायल
- अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

छतरपुर 16 जुलाई. खजुराहो फोरलेन स्थित बेनीगंज बांध के पास बीती रात करीब 8 बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़े 65 वर्षीय हीरालाल पटेल निवासी सददूपुरा को टक्कर मार दी।

हादसे में उनके साथ मौजूद एक भैंस भी गंभीर रूप से घायल हो गई. घटना के बाद परिजन हीरालाल पटेल को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. वहीं घायल भैंस काफी देर तक सड़क पर पड़ी रही। हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है. सूचना मिलने पर बमीठा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है. साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है.

बस स्टैंड पर विवाद का वीडियो वायरल

छतरपुर , 16 जुलाई. शहर के बस स्टैंड पर गुरुवार सुबह अर्धघुमक्कड़ समुदाय के लोगों के बीच विवाद हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दो महिलाएं एक युवक के साथ मारपीट करती हुई दिखाई दे रही हैं। फिलहाल विवाद के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस की ओर से इस संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

योजना से हरपालपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

हरपालपुर, 16 जुलाई. रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नए स्वरूप में यात्रियों के स्वागत के लिए तैयार है. झांसी मंडल के इस महत्वपूर्ण स्टेशन का लगभग 11.745 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक पुनर्विकास किया गया है. मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित यह स्टेशन झांसी-मानिकपुर रेलखंड पर क्षेत्र के प्रमुख संपर्क केंद्र के रूप में लंबे समय से सेवाएं

दे रहा है। पुनर्विकास के तहत स्टेशन भवन का आधुनिकीकरण, आधुनिक बुकिंग हॉल, विशाल पोर्च, नया प्रवेश द्वार, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और बेहतर आंतरिक सज्जा विकसित की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए लगभग 7200 वर्गमीटर क्षेत्र में सर्कुलेटिंग एरिया, सुव्यवस्थित पार्किंग, आंतरिक सड़कें, उद्यान और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था तैयार की गई है।स्टेशन के प्लेटफॉर्मों का भी उन्नयन किया गया है। करीब 9500 वर्गमीटर क्षेत्र में नई सरफेसिंग तथा 9830 वर्गमीटर में आधुनिक शेल्टर बनाए गए हैं। इसके अलावा वातानुकूलित और स्लीपर श्रेणी के यात्रियों के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय विकसित किए गए हैं।रेलवे के अनुसार यह पुनर्विकसित स्टेशन न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देगा, बल्कि पर्यटन, व्यापार, कृषि उत्पादों के परिवहन और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा देगा। इससे बुंदेलखंड क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और रेलवे स्टेशन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

अमृत भारत स्टेशन योजना से बदला छतरपुर रेलवे स्टेशन का स्वरूप

छतरपुर, 16 जुलाई. अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महाराजा छत्रसाल छतरपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूरा हो गया है। करीब 6.50 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का आधुनिकीकरण किया गया है, 12 मीटर चौड़ा नया फुट ओवर ब्रिज लगभग 10.27 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है, जिससे यात्रियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुगम हो गई है।पुनर्विकास के तहत स्टेशन भवन का सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और आकर्षक प्रवेश द्वार विकसित किए गए हैं। प्लेटफॉर्मों का उन्नयन कर आधुनिक शेल्टर, बैठने की व्यवस्था और आवागमन की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पूरे परिसर में एलईडी लाइटें, सोलर स्ट्रीट लाइट, हाई मास्ट लाइट, सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग हरित उद्यान विकसित किए हैं। स्टेशन परिसर में महाराजा छत्रसाल की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित कर बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत को भी प्रमुखता दी गई है।

अभियान — स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिलाया संकल्प विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताए

सुमति अकादमी में नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

छतरपुर , 16 जुलाई.शहर की सुमति अकादमी में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले और यातायात थाना प्रभारी बृहस्पति कुमार साकेत ने विद्यार्थियों को तंबाकू, शराब और अन्य मादक पदार्थों से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी दी.

साथ ही विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई. विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार मिश्रा ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर ही वे जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. उन्होंने विद्यार्थियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो और स्वस्थ युवा, सशक्त भारत जैसे संदेश देकर समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया. कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प व्यक्त किया. इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सोमिल अग्रवाल, डायरेक्टर भावना अग्रवाल, प्राचार्य सुनील कुमार मिश्रा सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

मॉडिफाइड साइलेंसरों को बुलडोजर से किया नष्ट

- ध्वनि प्रदूषण रोकने यातायात पुलिस की कार्रवाई, हर 10 दिन में चलेगा विशेष अभियान

छतरपुर , 16 जुलाई. शहर में मॉडिफाइड साइलेंसरों से फैल रहे ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर जब्त किए गए 150 से अधिक मॉडिफाइड साइलेंसरों को बुलडोजर से नष्ट कर दिया. कार्रवाई मुख्य रूप से बुलेट और स्पोर्ट्स बाइकों में लगाए गए अवैध साइलेंसरों के खिलाफ की गई, जिनसे तेज आवाज और पटाखों जैसी ध्वनि निकल रही थी.

यातायात डीएसपी संजय खरे ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सघन वाहन जांच के दौरान ऐसे वाहनों की पहचान कर मौके पर ही मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए गए। साथ ही वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई भी की गई। उन्होंने कहा कि नागरिकों से लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर यह अभियान चलाया गया। डीएसपी ने बताया कि अब यह विशेष अभियान प्रत्येक 10 दिन में नियमित रूप से चलाया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मॉडिफाइड साइलेंसर लगाना नियमों का उल्लंघन है और ऐसा करने वालों के खिलाफ जुर्माना, साइलेंसर जब्ती सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों में अवैध साइलेंसर का उपयोग न करें, ताकि शहर में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखा जा सके।